Ph.D. Synopsis on

महिलाओं के मतदान व्यवहार का विश्लेषणात्मक अध्ययन : पश्चिमी चम्पारण जिला के संदर्भ में (2010 से 2020 तक)

Head
University Department of Political Science
Lalit Naray Mithila University, Darbhanga

Submitted to: -

University Department of Political Science

Lalit Narayan Mithila University, Darbhanga

Research Supervisor:

(Dr. MD JAWED ANWAR)

Assistant Professor

Department of Political Science

Samastipur College, Samastipur

L.N.M.U. Darbhanga

Research Scholar:

(Aditya Raj)

PAT 2021-22

Roll No.- 22160004

Class Roll No.04

HOD

Political Science
Samastipur College
Samastipur

शोध कार्य का शीर्षक

महिलाओं के मतदान व्यवहार का विश्लेषणात्मक अध्ययन : पश्चिमी चम्पारण जिला के संदर्भ में

(2010 से 2020 तक)

शोध समस्या का प्राक्कथन

मतदान व्यवहार, मत डालने के तरीकों या उन कारकों को परिभाषित करता है जो वोट देने में मतदाताओं को प्रभावित करते हैं। इसके अध्ययन से यह पता चलेगा कि मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से है। मतदान व्यवहार का अध्ययन, मतदान के आँकड़ो, चुनावी आंकड़ों के रिकॉर्ड या अवलोकन तक सीमित नहीं है। यह मतदाताओं के अनुभव, भावना आदि के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को शामिल करता है एवं राजनीतिक कार्यवाही और संस्थागत ढाँचे के साथ उनके संबंधों को भी शामिल करता है।

किसी चुनाव के बारे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल इस बात से संबंधित नहीं है कि कौन जीता, बल्कि ऐसे सवाल हैं कि लोगों ने इस तरह से मतदान क्यों किया या परिणामों के निहितार्थ क्या है। इन सवालों का जवाब हमेशा आसानी से नहीं मिलता केवल चुनावी अभियान की घटनाओं को देखना पर्याप्त नहीं होगा। पूर्ण विवरण तैयार करने के लिए चुनाव के अनूठे पहलुओं को मतदान व्यवहार की अधिक सामान्य समझ के साथ अध्ययन किया जाना अनिवार्य है।

पश्चिमी चम्पारण जिला में विकास एक चिरप्रतीक्षित जन-आकांक्षा रही है। पिछले दो दशकों में आमजनों के बीच सामाजिक-आर्थिक विकास, बेरोजगारी गरीबी, निरक्षरता इत्यादि सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उभरा है। भूमण्डलीकरण एवं ज्ञानमूलक समाज के चलते आर्थिक विकास मतदाताओं की पहली प्राथमिकता है। विकास का सीधा अर्थ मुलभूत संरचनाओं के निर्माण से लिया जाता है। इसलिए मतदाता उन उम्मीदवारों या राजनीतिक दलों को मत देते हैं जो आधारभूत संरचनाओं के व्यापक कार्यक्रमों का वादा करते हैं। 2010 में बिहार में विकास पुरुष के रूप में प्रतिष्ठित नीतिश कुमार मतदाताओं की प्रथम प्राथमिकता बन गये। आम तौर पर यह समझा जाता है कि लोग उम्मीदवार के व्यक्तिगत गुणों जैसे-कर्मठ, लोकसेवी, ईमानदार तथा प्रभावशाली होने जैसा गुणों के आधार पर मतदान करते हैं। यद्यपि भारत में सूची प्रणाली नहीं है फिर भी पिछले दो दशकों में यह देखने को मिला है कि राजनीतिक दल के करिश्माई नेतृत्व के आधार पर मतदाता मतदान करते हैं। प्रारंभ में जवाहर लाल नेहरु-, 1960-70 के दशक में इंन्दिरा गाँधी, 1977 में जय प्रकाश नारायण के आहवान पर, 1990 की दशक में अटल बिहारी बाजपेयी तथा 2014 के बाद नरेन्द्र मोदी के करिश्माई व्यक्तित्व के कारण महिलाओं ने मतदान किये।

पश्चिमी चम्पारण जिला के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं की समझ पिछले कई दशकों में हुए मतदान प्रक्रिया को समझने में मदद करती हैं। पश्चिमी चम्पारण जिले में ग्रामीण जीवन की अधिकता है। परिणाम स्वरूप इस जिले में महिलाओं की स्थिति राजनीतिक एवं आर्थिक स्तर पर कमजोर है। इस कमजोरी का फायदा राजनेता आसानी से उठा रहे हैं। पश्चिमी चम्पारण जिला बनने के 51 वर्षों के

15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

बाद भी महिला समुदाय में कोई राजनीतिक मजबूती नहीं आई है। जिसके कारण इस जिला में महिला मतदाता अपने मत का प्रयोग अपने विवेक के अनुसार नहीं कर पाई है । अत: ऐसी स्थिति में महिलाओं की मतदान प्रवृत्ति पर शोध की जरूरत है।

प्रस्तावित शोध-प्रबंध में मुख्यत: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तलाशने का प्रयास होगा ।

- क्या महिलाएँ स्वतंत्र रूप से मतदान कर रही है?
- क्या मतदान के मुद्दे महिलाओं के लिए अलग है?
- महिलाओं की मतदान व्यवहार के सकारात्मक परिवर्तन का मुख्य कारक क्या है?
- राजनीतिक जागरुकता बढ़ने के बाद भी राजनीति में महिलाओं की भागीदारी प्रत्याशी के रूप में संतोषप्रद क्यो नही हो पायी है?
- महिलाओं की चुनावों में अधिक भागीदारी से क्या चुनाव - परिणाम प्रभावित हो सकता है?
- महिलाएँ प्रत्याशी चुनाव में क्यो पिछड़ जाती है?
- क्या कारण है कि आधी आबादी की भागीदारी राजनीति में अधुरी है?

शोध का आच्छादन : सार तत्व एवं क्षेत्र

पश्चिमी चम्पारण जिला बिहार के तिरहुत क्षेत्र में आती है। जिसमें सभी जातियों के मतदाता रहते है। यह पश्चिमी चंपारण और वाल्मीकिनगर लोकसभा संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है इस जिले में 9 विधानसभा क्षेत्र है।

वर्ष 2011 के जनगणना के अनुसार कुल आबादी 3,922,780 है। जिसमें पुरुषों की जनसंख्या 2,057,669 है तथा महिलाओं की जनसंख्या 1,865,111 है तथा

कुल साक्षरता दर 55.70 प्रतिशत है जिसमें पुरुष साक्षरता दर 65.59 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर 44.69 प्रतिशत है।

वर्ष 1972 में पश्चिमी चम्पारण जिला बनने के 51 वर्षों के बाद भी यहाँ विकास का नितांत अभाव है। यहाँ औधोगिकरण की कमी होने के कारण पलायन जारी है।, साथ ही यहाँ पर्यटन का अभाव है। निर्धनता, पलायन, अशिक्षा, बेरोजगारी जैसे कारक यहाँ के मतदान व्यवहार को प्रभावित करते रहे है। ऐसी स्थिति में महिला मतदाता भी अछुती नही है। इसलिए महिलाओं के मतदान प्रवृति पर अनुसंधान की आवश्यकता है।

2d 15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

वर्ष 2009 लोकसभा चुनाव वाल्मीकीनगर-01 में महिला मतदान 44.36 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 49.23 प्रतिशत रहा तथा, लोकसभा क्षेत्र-02 पश्चिमी चम्पारण में महिला मतदान 36.01 प्रतिशत तथा पुरुष मतदान 47.56 प्रतिशत रहा ।

वर्ष 2014 लोकसभा चुनाव वाल्मीकीनगर-01 मे महिला मतदान 61.99 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 61.63 प्रतिशत तथा अन्य 18.00 प्रतिशत रहा तथा लोकसभा क्षेत्र-02 पश्चिमी चम्पारण में महिला मतदान 59.93 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 61.01 प्रतिशत तथा अन्य 0.00 प्रतिशत रहा।

वर्ष 2019 लोकसभा चुनाव वाल्मीकीनगर 01 में महिला मतदान 46.30 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 53.69 प्रतिशत और अन्य 0.0057 प्रतिशत रहा तथा लोकसभा क्षेत्र -02 पश्चिमी चम्पारण में महिला मतदान 46.24 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 53.75 प्रतिशत और अन्य 0.0038 प्रतिशत रहा।

बिहार विधान सभा चुनाव 2010, पश्चिमी चम्पारण जिला में महिला मतदान 59.30 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 57.36 प्रतिशत रहा।

बिहार विधान सभा चुनाव 2015, पश्चिमी चम्पारण जिला में महिला मतदान 67.06 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 59.02 प्रतिशत रहा।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020, पश्चिमी चम्पारण जिला में महिला मतदान 68.47 प्रतिशत रहा जबकि पुरुष मतदान 60.89 प्रतिशत रहा।

पश्चिमी चम्पारण जिला के सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की मतदान व्यवहार की चर्चा इस शोध का अध्ययन क्षेत्र होगा। जिले की राजनीति में जाति एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। इसे ध्यान में रखते हुए इस शोध में आधुनिक राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की मतदान व्यवहार का विश्लेषण किया जाएगा।

साहित्य का पुनर्रावलोकन (पुस्तक एवं शोध आलेख)

प्रस्तुत शोध परियोजना हेतु पूर्व अध्ययन की बहुलता है। महिलाओं की मतदान प्रवृतियों से संबंधित अनेक विद्वानों द्वारा अध्ययन किया गया है।

15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

Books

संजय कुमार एवं प्रवीण रॉय (2018) ने अपनी पुस्तक ***"भारत में मतदान व्यवहार का मापन"*** के अन्तर्गत मतदान व्यवहार के मापन एवं उसकी व्यवहारिक स्थिति तथा उसे प्रभावित करने वाले कारकों का विस्तृत विश्लेषण किया है। यह पुस्तक भारत में, वर्तमान तथा अतीत के मतदान व्यवहार के मापन हेतु प्रयुक्त विभिन्न पद्धतियों के अलग-अलग पहलुओं को प्रस्तुत करती है। लेखकों ने मतदाताओं की राय, दृष्टिकोणों और पूर्वाग्रहों के मापन हेतु उपयोग की जा रही विभिन्न पद्धतियों पर विस्तार से चर्चा की है। उन्होंने भारत की विभिन्न परिस्थितियों में भिन्न प्रकार के मतदाताओं के चुनावी अनुभवों की विविधता को दर्ज करने के लिए प्रत्येक पद्धति के गुणों एवं दोषों की चर्चा की है।

अभय कुमार दुबे (2005) ने अपनी पुस्तक ***"लोकतंत्र के सात अध्याय"*** में चुनाव एवं मतदान को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण किया है एवं सुझाव भी दिये हैं।

धीरज शर्मा एवं नारायण सिंह राव (2016) के द्वारा अपनी पुस्तक ***"स्वींग द मेंडेट: डेवलपिंग एण्ड मैनेजिंग विनिंग कम्पेन"*** में अपना मत व्यक्त किया है कि वर्तमान दशक में मीडिया के उपयोग के माध्यम से राजनीतिक रणनीतियों को प्रभावी ढंग से मतदान व्यवहार में प्रयोग किया जा रहा है जिसके परिणाम प्रभावी हैं।

योगेन्द्र यादव (2020) की पुस्तक "***मेकिंग सेन्स ऑफ इंडियन डेमोक्रेसी*** "के अनुसार भारतीय लोकतंत्र के पर्यवेक्षकों का एक समूह राजनीतिक और नीतिगत एजेंडे में लोकप्रिय मुददो और चिंताओं के प्रतिनिधित्व और कमी पर काफी हद तक संकीर्ण रूप से ही सही, ध्यान केन्द्रित करता है जिन राजनीतिक प्रतिनिधियो का वे प्रतिनिधित्व करना चाहते है ऐसे कारकों से भारतीय लोकतंत्र में मतदान व्यवहार प्रभावित होता है।

डा. श्रीमति कल्पना वैश्य ने अपनी पुस्तक ***"भारतीय लोकतंत्र में मतदान व्यवहार "*** में मतदान व्यवहार के कारको एवं प्रभावित करने वाले तथ्यों पर प्रकाश डाला है तथा भारतीय लोकतंत्र में मतदान व्यवहार के महत्व का विवेचना किया है ।

रजनी कोठारी (1970) ने अपनी पुस्तक ***"Caste in Indian Politics"*** में मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों में जाति को एक महत्वपूर्ण कारक माना है तथा मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले अन्य पहलुओं पर विस्तार में चर्चा की है।

डा.अल्का गोयल (2022) ने अपनी पुस्तक " ***भारत में मतदान व्यवहार एवं जनादेश*** " में मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों का विस्तृत विश्लेषण किया है तथा सुझाव भी दिये हैं।

Articles

संजय कुमार, संजीर आलम एवं धन्नजय जोशी ने Journal of Indian School of Political Economy नामक जनरल में ***"Caste Dynamics and political process in Bihar "*** (2008) नामक लेख में महिलाओं की मतदान - प्रवृति के अध्ययन का प्रयास किया है, लेकिन यह लेख महिलाओं में मतदान-प्रवृति के कारकों को पूरी तरह विश्लेषित करने में सफल नहीं है।

15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

चन्द्र प्रकाश माली ने Journal of Arts, Humanities and Social sciences नामक जनरल में प्रकाशित अपने लेख ***"voting behaviour in electoral process"*** (2020) में मतदान प्रवृति पर प्रकाश डाला है इनके अनुसार मतदान नागरिक का वह अधिकार है जिसमें वह अपने और विभिन्न प्रकार के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दे पर सत्तासीन होने की आकांक्षा के साथ अनेक प्रकार के प्रयोगों, प्रक्रियाओ एवं प्रचार माध्यमों के द्वारा निर्वाचन की प्रक्रिया में भाग लेता है।

डा. उदय सिंह राजपूत और अनामिका पुंडीर ने International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR) नामक जनरल में प्रकाशित अपने लेख ***"भारतीय महिलाओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकः एक अध्ययन "*** (2023) में महिलाओं के मतदान प्रवृति पर प्रकाश डाला है। इनके अनुसार राजनीतिक व्यवस्था में किसी भी स्तर पर न तो महिलाओं का उचित अनुपात में प्रतिनिधित्व है और न ही मतदान में उनका अनुपात बराबर है। हालांकि, हाल के चुनावों में यह अंतर कम हुआ है। महिला मतदाताओं के बीच यह मतदान सभी राज्यों में एक समान नहीं है। जहां कुछ राज्यों में मतदान के मामलें में महिलाएं पुरुषों से आगे रही, वही अन्य राज्यों में मतदान पुरुषों की अपेक्षा कम है।

श्री ललन कुमार मंडल ने International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT) नामक जनरल में प्रकाशित अपने लेख ***"Analytical Study of factors influencing Voting behavior in India"*** (2023) में मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारको का विश्लेषण किया है इनके अनुसार मतदाताओं का मतदान व्यवहार किसी देश की राजनीतिक दशा व दिशा तय करता है। जो समय स्थान व परिस्थितियों के अनुसार बदलता रहता है। मतदान करते समय मतदाता व्यक्ति की कार्यकुशलता, नैतिकता, पार्टी-सिद्धांत, चरित्र आदि को महत्व देने के बजाय जाति, धर्म, क्षेत्र और धन को महत्व देते हैं।

संजय पाण्डेय ने International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT) नामक जनरल में प्रकाशित अपने लेख ***"Voting behavior and its Various Factors in Indian democracy: A Study "*** (2023) के अनुसार मतदान व्यवहार के कारकों में, जाति, धर्म, राजनीतिक दल, नेतृत्व, क्षेत्रवाद, आयु-लिंग, आर्थिक परिस्थिति व तत्कालिक परिवेश प्रमुख है। भारत में लोकसभा व विभिन्न प्रदेशों के विधान सभा चुनावों में इन कारको ने मतदान व्यवहार को प्रभावित किया है। परन्तु किसी चुनाव में मतदान व्यवहार के कौन से कारक कितना प्रभाव डालते है इस विषय में स्पष्ट रूप से कुछ भी कहना संभव नहीं है। ये कारक अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं व निर्वाचन क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न हो सकते हैं।

विराज हजारिका ने Journal of Humanities And Social Science नामक जनरल में ***"Voting Behaviour in India and its Determinats"*** (2015) नामक लेख में मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारको का विवेचन किया है लेकिन महिला मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले तथ्यों का विश्लेषण नहीं किया है।

बिपिन कुमार सिंघल ने SSRN ELSEVIER नामक जनरल में ***"Participation of Women in India: An Analytical Study"*** (2014) नामक लेख में महिलाओं के मतदान प्रवृति पर प्रकाश डाला है

2d 15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

इनके अनुसार औपचारिक राजनीतिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी महिलाओं के वर्तमान शक्ति एवं स्थिति का शर्त ही नहीं बल्कि सूचक भी है तथा महिलाओं के अधिकारों एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक भी है। महिलाओं के लिए निर्वाचन तथा राजनीतिक दलो, सामाजिक आदोलनों और प्रदशनों जैसे औपचारिक कार्यकलापों में भाग लेना प्रर्याप्त नहीं है।

अन्ना सैंडर्स ने Journal of Women, politics & Policy नामक जनरल में ***"The Impact of Gendered policies on Women's Voting Behavior: Evidence from the 2015 British General Election"*** (2022) नामक लेख में महिलाओं के मतदान व्यवहार के सन्दर्भ में वर्णन किया है इनके अनुसार राजनीतिक दल अकसर नीतिगत प्रतिज्ञाओं के माध्यम से अपील करना चाहते है। हालांकि, इस बारे में बहुत कम जानकारी है कि ये नीतियाँ महिलाओं के मतदान व्यवहार को क्यों और कैसे प्रभावित करती है।

प्रवीण रॉय ने Economic s Political Weekly नामक लेख में प्रस्तुत शीर्षक ***"Electoral participation of Women in India : Key Determinants and Barriers"*** (2011) में महिला मतदान व्यवहार का अध्ययन किया है इनके अनुसार भारत के औपचारिक राजनीति में महिलाओं की भागीदारी से उनके मतदान प्रतिशत और चुनाव प्रचार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है लेकिन राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विद्यायी निकायों और राजनीतिक दलों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी कम है राजनीतिक दलों और सरकार में निर्णय लेने वाले पदों पर महिलाओं को अधिक स्थान देने से देश के राजनीति में एक गंभीर कमी को दूर करने में काफी मदद मिलेगी।

उपर्युक्त लेखों की सीमाओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित शोध अध्ययन महिलाओं के मतदान - प्रवृति में आये सकारात्मक बदलाव की समीक्षा करेगा एवं इस अध्ययन से बदलाव के कारकों के विश्लेषण का भी प्रयास होगा |

शोध का उदेश्य

मतदाता व्यवहार, मतदान व्यवहार का एक रूप है। मतदाताओं के व्यवहार को समझना आवश्यक है। इससे यह समझा जा सकता है कि कैसे और क्यों सार्वजनिक निर्णय मतदाताओं द्वारा लिए गए, जो कि राजनीतिक वैज्ञानिकों के लिए एक केंद्रीय चिंता का विषय रहा है। प्रस्तावित शोध के निम्न उदेश्य होंगें :-

- मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों को परिभाषित करना।
- लोकतंत्र में मतदान व्यवहार के महत्व को रेखांकित करना।
- महिलाओं की मतदान व्यवहार में जाति एवं वर्ग किस प्रकार से महत्वपूर्ण कारक है उसकी चर्चा करना।
- महिलाओ में राजनीतिक जागरुकता का अध्ययन करना ।

15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

- मतदान व्यवहार के निर्णायकों में लिंग एवं जनजाति की भूमिका की व्याख्या करना ।
- सैद्धांतिक आधार पर चुनाव से सम्बंधित विविध आयामों का विश्लेषण करना ।

शोध परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोधकार्य को सुगमतापूर्वक संपादित करने हेतु निम्नांकित परिकल्पनाओं का सत्यापन किया जाएगा :

- प्रभावशाली राजनीतिक नेतृत्व महिलाओं के मतदान को प्रभावित करता है।
- क्षेत्रीय और व्यक्तिगत आकांक्षा महिलाओं के मतदान व्यवहार को प्रभावित करती है।
- चुनावी घोषणापत्र एवं प्रचार तंत्र मतदान व्यवहार को प्रभावित करता है।
- महिलाओं की आर्थिक स्थिति मतदान व्यवहार को प्रभावित करती है।
- पश्चिमी चम्पारण जिला में महिलाओं के मतदान व्यवहार का आधार पहचान की राजनीति है।

प्रस्तुत शोध कार्य का अनुशासन एवं अन्य अनुशासन के लिए योगदान

प्रस्तुत शोध का उदेश्य मत डालने के तरीकों या उन कारकों को परिभाषित करना है जो वोट देने में महिलाओं को प्रभावित करते हैं। इसके अध्ययन से यह पता चलेगा कि मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक कौन - कौन से है? इसके अध्ययन से महिलाओ के मतदान व्यवहार के वास्तविक ऑकड़े सामने आयेंगें । यह शोध राज्यीय तथा राष्ट्रीय उद्देश्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने में योगदान देगा। अकादमी में इससे लोकप्रशासन, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र ,मनोविज्ञान तथा अन्य विषयो में मदद मिलेगी।

शोध पद्धति

प्रस्तुत शोधकार्य को सम्पादित करने के लिए विश्लेषणात्मक एवं आनुभाविक पद्धति का सहारा लिया जायेगा। साथ ही विवरणात्मक शैली में शोध-प्रबन्ध तैयार करने का प्रस्ताव है। इसके अन्तर्गत आधुनिक राजनीतिक परिवेश में मतदान व्यवहार सें संबंधित पुस्तको, प्रकाशनों, अभिलेखों, सरकारी दस्तावेजों, प्रमुख समाचार पत्रों, प्रमुख टेलीविजन चैनल के विडियों क्लिप एवं अन्य सामाग्री का अवलोकन एवं अध्ययन कर शोध उदेश्य की पूर्ति की जायेगी।

15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

कार्य प्रारूप : संभावित कार्य योजना

प्रस्तावित शोध कार्य को निम्नलिखित कार्य योजना के द्वारा संपादित किया जायेगा ।

प्रथम अध्याय	भूमिका
द्वितीय अध्याय	मतदान व्यवहार की अवधारणा
तृतीय अध्याय	बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिला का एक परिचय
चतुर्थ अध्याय	पश्चिमी चम्पारण जिला में महिला मतदान व्यवहार की प्रवृतियाँ
पंचम अध्याय	पश्चिमी चम्पारण जिला में राजनीतिक नेतृत्व का महिला मतदान पर प्रभाव
षष्ठम अध्याय	निष्कर्ष

पुस्तकों की सूची । ग्रन्थ सूची

प्राथमिक स्रोत

Election commission of India
https:/www.eci.gov.in

Bihar District Gazetteers West champaran
https: // west champaran.nic.in

Office of the chief Electoral officer, Bihar
https://ceo bihar.nic.in

Press information Bureau
Pib.gov.in/Press Release Page.aspx? PRID=1571825

Ministry of Women & Child Development
https://wcd.nic.in

15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

द्वितीयक स्रोत

Books

ब्रास, पॉल आर (2015), कास्ट फैक्शन, एण्ड पार्टी इन इंडियन पोलिटिक्स : इलैक्शन स्टडीज, चाणक्य प्रकाशन नई दिल्ली।

चौबे एस. के (2005), इलैक्टोरल पोलिटिक्स इन नोर्थइस्ट इंडिया, ओरियंट लोंगमैन, हैदराबाद।

बनर्जी, मधुलिका (2014), व्हाई इंडिया वोट्स १ राउटलेज, नई दिल्ली।

महाजन, गुरप्रीत (2019), रीडिंग इंडिया इलेक्शंस फ्रोम ई.पी. डब्लयू. नई दिल्ली, ओरियंट ब्लैक स्वन ।

राय, प्रणय, बटलर, डेविड एण्ड लाहिरी, अशोक (1984), ए कंपेडियम ऑफ इंडियन इलैक्संस, अरनोलड, हीनेमन ।

सेठी, रेणु (1988) "डिटर्मिनेंट्स ऑफ वूमन्स एक्टिव पोलिटिकल पार्टिसिपेशन, ई.पी. डब्ल्यू, वोल्यूम 49 (4) 565-579

संजय कुमार (2009), चेंजिंग फेस ऑफ देहली पोलिटिक्स: हैज इट चेंजड़ द फेस ऑफ द पोलिटिकल रिप्रजेंटेटिव्स इन द बुक ऑफ क्रीस्टोफ़ जैफरलो।

पुष्पेन्द्र, (2007), दलित असर्सन, थ्रू इलैक्टोरल पोलिटिक्स' ई. पी. डब्लयू. वोल्यूम 34 (36): 2609-2618

डागर, रेणुका (2019), "जेन्डर नेरेटिव्ज़ एण्ड इलैक्संस : मेनडेट फोर सेफ्टी, डवलपमेंट और राइटस, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली।

शाह घनश्याम (2012), कास्ट एण्ड डेमोक्रेटिक पोलिटिक्स इन इंडिया : नई दिल्ली

पॉल वैलेश (2015), इंडियाज 2014 इलेक्शंस : ए. मोदी लेड बी. जे. पी. स्वीप, सेज प्रकाशन, नई दिल्ली।

Articles

Kumar Sanjay, Alam S mohammad, Joshi Dhananjai (2008) Caste dynamic and Political process in Bihar, Journal Article-Journal of Indian school of political Economy

Chandra prakash Mali (2020) voting behavioue in electoral Process, Journal of Arts, Humanities and Social Sciences

Dr Uday Singh Rajput and Aanamika pundir (2023) Factors influencing voting behavior of Indian Women: Astudy, International Journal For Multidisciplinary Research (IJFMR)

Lalan Kumar Mandal (2023) Analytical Study of Factors influencing Voting behaviour in India, International Journal of Creative Research Thought (IJCRT)

Sanjay Pandey (2023) Voting behavior and its Various Factors in Indian democracy: A Study, International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT)

Biraj Hazarika (2015) voting Behaviour in India and its Determinants. IOSR Journal of Humanities and social science

Rai Praveen (2011) Electoral participation of Women in India: Key Determinants and BarriersBarriers, Economic S Political weekly

Akhter Zahida and Sheikh Ah (2014) Determinants of voting Behaviour in India: Theoretical perespective.www.iiste.org

Dr Mentay Haranadh (2019) The Electoral System and Voting Behaviour in India.doi.org/10.33329 ijless.63.79

15.4.24

Aditya Raj
15.4.24

HOD
Political Science
Samastipur College
Samastipur
15.4.24

20.04.24

Head
University Department of Political Science
Lalit Naray Mithila University, Darbhanga

20.4.24

20/4/2024

MBVerma
20-04.2024